पाठ 20

गाँव और शहर

नारायणपुर गाँव की चौपाल पर बैठे लोग आपस में बात-चीत कर रहे थे। राजधर मुखिया बता रहे थे कि गाँव में पक्की सड़क बनने वाली है। इतने में कोट-पेन्ट चश्मा पहने एक शहरी बाबू ने मुखिया जी से अपने मित्र के बारे में पूछा कि विश्वेश्वर दयाल जी कहाँ रहते हैं? मुखिया जी ने पहले तो उनसे नमस्कार किया और बाद में उनकी बात का उत्तर दिया। शहरी बाबू पहली बार गाँव आए थे,उन्हें गाँव का रहन-सहन, वातावरण कुछ अजीब सा लगा। गाँव के कच्चे पक्के मकान,खेत-खलियान देखकर, बातों ही बातों में अपने शहर की तारीफ करने लगे। उनकी बातें सुनकर मुखियाँ जी से रहा न गया और वे भी अपने गाँव की बढ़ाई करने लगे।

शिक्षण संकेत

- बच्चों को वार्तालाप विधा से परिचित कराएँ।
- बच्चों तक यह संदेश पहुँचाएँ कि गाँव और शहर का अपना-अपना महत्व है।
- साधनों तथा सुविधाओं की चर्चा करें जो गाँव में पहुँच रही हैं।
- बच्चों को विराम चिह्नों की जानकारी दें ।

शहरी बाबू पसीना पोंछते हुए बोले गाँव में बिजली की व्यवस्था तक नहीं है मैं अँधेरे में कितना परेशान होकर पैदल यहाँ आया। हमारा शहर तो बिजली के प्रकाश से जगमगाता रहता है और यहाँ देखिए आपके गाँव में कहीं-कहीं टिमटिमाती रोशनी ही दिखाई देती हैं। ऐसे में लोग रास्ता ही भटक जाते हैं। मेरा तो गर्मी के मारे बुरा हाल है।

मुखियाजी-बाबूजी! लगता है आप बहुत दिनों से गाँव में नहीं आए हैं। अब तो हर गाँव में बिजली पहुँच गई है। लेकिन बिजली उत्पादन में कमी एवं हमारे आपके द्वारा बिजली का दुरुपयोग करने के कारण यह समय हमारे गाँव की बिजली कटौती का है इसलिए आपको यह परेशानी हो रही है। गाँव के लोग खेती के काम में बिजली का उपयोग करके भरपूर फसल उगाते हैं।

शहरी बाबू-यह तो ठीक है मुखिया जी पर आवागमन के साधन भी तो हमारे शहर-जैसे नहीं हैं। मुझे ही देखिए बस ने गाँव से पाँच किलोमीटर दूर छोड़ा है वहाँ से पैदल आ रहा हूँ। वहाँ से आने लिए कोई भी व्यवस्था आपके गाँव में नहीं है।

मुखिया जी- हाँ बाबूजी! आपकी बात मैं मानता हूँ पर अब प्रत्येक गाँव को पक्की सड़क से जोड़ने का काम बड़ी तेजी से चल रहा है। गाँव में पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए टंकी का निर्माण और गाँव को स्वच्छ बनाने के लिए नालियाँ बनाई जा रही हैं।

शहरी बाबू- तो क्या हमारे शहर की तरह ही गाँव में बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए विद्यालय और चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हैं?

मुखिया जी- हाँ शहरी बाबू! गाँव में कुछ वर्षों पूर्व यह सुविधाएँ नहीं थीं। अब तो प्रत्येक गाँव में शिक्षा और स्वास्थ्य की सभी सुविधाएँ हैं। आँगनवाड़ी केन्द्र, शिक्षा घर, प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालय और कुछ गाँव में तो उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भी हैं। हमारे गाँव के लड़के-लड़कियाँ अब केवल उच्च शिक्षा के लिए ही शहर जाते हैं। इसके अलावा गाँव में प्राथमिक उपस्वास्थ्य केन्द्रों में अच्छे चिकित्सक और दवाइयों की भी सुविधा है। सनकर की अनेक योजनाओं का लाभ भी ग्रामवासियों को मिल रहा है।

शहरी बाबू- लेकिन मुखिया जी जिस प्रकार हमारे शहर में दूरसंचार के नए-नए साधन उपलब्ध हैं जिनसे तुरंत ही सैकड़ों मील बैठे व्यक्ति से बात हो जाती हैं वैसे क्या आपके यहाँ.....(मुखिया जी मोबाइल देते हुए)

मुखियाजी- हाँ-हाँ बाबूजी! हमारे गाँव में भी यह सुविधाएँ हैं लीजिए क्या आपको कहीं बात करनी है।

शहरी बाबू– नहीं–नहीं!

मुखिया जी– बाबू! अब तो हमारी शालाओं में हैडस्टार्ट नाम से योजना संचालित है, जिसके माध्यम से बच्चों को कम्प्यूटर शिक्षा का ज्ञान दिया जाता है।

शहरी बाबू– हमारे शहर में बहुमंजिला मकान, सड़कों पर चमचमाती गाड़ियाँ, बाजार में बड़ी–बड़ी दुकाने, कारखाने और मनोरंजन के नए–नए साधन उपलब्ध हैं यह सब गाँव में कहाँ देखने को मिलते हैं?

मुखियाजी–शहरी बाबू! शरीर और मन को स्वस्थ रखने के लिए स्वच्छ हवा, पानी, सूरज का प्रकाश और पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है। आपके शहर में बहुमंजिला इमारतों में रहने वाले लोगों को कई दिन तक सूरज देखने को नहीं मिलता यदि वे बाहर न निकलें तो। वे लोग धूप और स्वच्छ हवा के लिए तरसते हैं और इसके लिए शहर से दूर किसी ऐसी जगह की तलाश करते हैं जहाँ ये सब मिल सकें। आपकी चमचमाती गाड़ियों और कारखानों से फैलता प्रदूषण शहर के लोगों में कई तरह की बीमारियाँ फैलाता है। हमारे गाँव में स्वच्छ हवा है, पर्याप्त प्रकाश है, ताजी साग–सब्जियाँ हैं, हरे–भरे मैदान हैं। भला यह सुख और आनंद आप शहर वासियों को कहाँ?

शहरी बाबू– आपने बिलकुल ठीक कहा मुखियाजी! मुझे भी गाँव का महत्व अब समझ में आया है। लेकिन गाँव के निवासियों की तुलना में शहर में आबादी अधिक है। जनसंख्या अधिक होने के कारण ही

आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य की समस्याएँ उत्पन्न हो गई हैं।

मुखियाजी– बिल्कुल बाबूजी! जनसंख्या वृद्धि के कारण ही हम लोगों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद भी गाँव के लोग रात-दिन खेती बाड़ी करके शहर-वासियों को अनाज सब्जी, दूध, घी आदि चीजें आसानी से उपलब्ध कराते हैं।

शहरी बाबू– मुखियाजी! गाँव से शहर का और शहर से गाँव का विकास होता है। यदि शहर के लोगों को गाँव से भोजन सामग्री प्राप्त होती है तो यह भी सही है कि गाँव के लोगों को कपड़ा, दवाइयाँ, कृषि उपकरण लोहा, चीनी, मसाले, उर्वरक आदि सामान शहर से ही प्राप्त होता है। अब गाँव और शहर दोनों में जीवन की आवश्यक सुविधाएँ बढ़ती जा रहीं हैं। गाँव और शहर के निवासी एक-दूसरे पर निर्भर हैं। गाँव और शहर के खुशहाल होने से ही हमारा देश प्रगति करता है। चलिए हम सब मिलकर देश को समृद्ध बनाएँ।

आप सबसे मिलकर और चर्चा करके मुझे बहुत अच्छा लगा। बहुत देर हो गई अब मैं चलता हूँ।

मुखिया जी–हाँ, भाई रामदयाल इनको विश्वेश्वर जी के यहाँ भेज दो। अच्छा भाई–नमस्कार।

(गाँव वालों का अभिवादन स्वीकार करके शहरी बाबू अपने मित्र से मिलने चले जाते हैं।)

▸ भगीरथ कुमरावत

नए शब्द

चौपाल = चारों ओर से खुली हुई बैठक, दालान। **चिकित्सक** = डॉक्टर। **पौष्टिक आहार**= पुष्ट करने वाला भोजन। **दुर्लभ** = जिसे पाना सहज न हो, जो जल्दी न मिले। **आवास** = रहने की जगह, मकान। **उर्वरक** = रासायनिक खाद। **कृषि उपकरण** = कृषि कार्य के उपयोग में आने वाले औजार,सामग्री। **अभिवादन** = प्रणाम, नमस्कार।

अनुभव विस्तार

वार्तालाप से खोजिए-

(क) सही जोड़ी बनाइए-

स्वच्छ	–	मैदान
हरे-भरे	–	प्रकाश
सूरज	–	रोशनी
टिमटिमाती	–	हवा

(ख) रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. शहरी बाबू अपने.....से मिलने गाँव आए थे।
2. हमारे आपके द्वारा बिजली का .....करने के कारण ही परेशानी हो रही है।
3. कारखानों से निकलने वाले धुएँ से .....में प्रदूषण बढ़ रहा है।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न-

निर्देश- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए -

1. गाँव के लोग कहाँ बैठकर बातचीत कर रहे थे?
2. शहरी बाबू किसकी तारीफ करने लगे?
3. गाँव की बढ़ाई कौन करने लगा?
4. शहरी बाबू कितने किलोमीटर पैदल चलकर गाँव आए?

लघु उत्तरीय प्रश्न-

निर्देश- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन से पाँच वाक्यों में लिखिए -

1. गाँव में शिक्षा और स्वास्थ्य की कौन-कौन सी सुविधाएँ हैं?
2. शरीर को स्वस्थ रखने के लिए क्या आवश्यक है?
3. गाँव के लोगों को कौन सा सामान शहर से प्राप्त होता है?

भाषा की बात

1. पाठ में आए योजक चिह्न (-) वाले पाँच शब्दों को छाँटकर लिखिए।

2. नीचे दिए गए एकवचन शब्दों को बहुवचन में बदलिए।

नाली	-	.....
बीमारी	-	.....
दवाई	-	.....
लड़की	-	.....

ध्यान दीजिए-

एक वचन को बहुवचन में बदलते समय 'आ' अंत वाले पुल्लिंग शब्दों के बहुवचन में 'आ' का 'ए' हो जाता है-

कुत्ता	–	कुत्ते
पत्ता	–	पत्ते
चर्खा	–	.....
घंटा	–	.....

'इ' या 'ई' अंत वाले स्त्रीलिंग शब्दों के बहुवचन में 'इयाँ' हो जाता है -तथा दीर्घ मात्रा लघु हो जाती है।

नदी	–	नदियाँ
तिथी	–	तिथियाँ
टोपी	–	.....
धोती	–	.....

'अ' कारांत स्त्रीलिंग शब्दों के बहुवचन में अंतिम 'अ' का 'एँ' कर दिया जाता है-

पुस्तक	–	पुस्तकें
रात	–	रातें
दुकान	–	.....
मशीन	–	.....

प्रश्न-4 नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित शब्दों के वचन कोष्ठक में लिखिए-

- तोते फल कुतर रहे हैं। (.....)
- तोते की बोली मीठी है। (.....)
- मेरी पुस्तक कहाँ है। (.....)

प्रश्न-5 निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखे

एकवचन	–	**बहुवचन**
ऋतु	–	.....
बालक	–	.....
संतरा	–	.....
लड़की	–	.....

अब करने की बारी

1. आपके गाँव/शहर में जनभागीदारी (जनता के सहयोग से) कौन-कौन से कार्य हुए हैं? उन्हें जाने और सूची बनाएँ।
2. गाँव और शहर के रहन-सहन, खान-पान में तुलना करें तथा अपने विचार बालसभा में सुनाएँ।
3. बच्चों में अभिव्यक्ति कौशल के विकास के लिए वाद -विवाद भाषण आदि गतिविधियाँ कक्षा व शाला में कराएँ।
4. बच्चों को शहर अच्छा लगता है या गाँव इस विषय पर उनके मौलिक विचार आमंत्रित करें।

निर्देश - चित्र देखकर पाँच वाक्य लिखिए -

0